

हिस्से में रंग का हल्कापन या पपड़ी जैसी विकृति आने पर उसी रंग, रूप, आकार की लगाई गई पट्टी, जिससे वह पहले जैसा विकार रहित दिखाई दे 2. वस्त्र पर मिलती-जुलती लगी थिगली या पैबंद 3. चित्ती। colour patch

रंगी वि. (तत्.) 1. विनोदशील, आनंदी, मौजी 2. रंगवाला 3. रंगने वाला 4. अभिनय करने वाला।

रंगीन वि. (फा.) 1. रंगा हुआ 2. विलासप्रिय 3. ऐशपसंद 4. सुखद कल्पना से युक्त 5. शौकीन मिजाज।

रंगीयता स्त्री. (तत्.) नाट्य. 1. नाट्यशास्त्र के अनुसार नाटक के पात्रों में अभिनय संबंधी कायिक, वाचिक, सात्विक और अहार्य इन चार तत्वों की अभिव्यक्ति-कुशलता ही रंगीयता है 2. आंगिक-अभिनय कुशलता, देखकर भावानुभूति होना तथा अभिव्यंजना शैली इन तत्वों की प्रमुखता ही नाटक में रंगीयता या नाटकीयता है 3. नाटकीयता।

रंगोपजीवी पुं. (तत्.) 1. अभिनय द्वारा रोजी कमाने वाला व्यक्ति 2. नट 3. अभिनेता।

रंच वि. (देश.) जरा-सा, थोड़ा, किंचित् जैसे- रंच मात्र घृत दे दो क्रि.वि. थोड़ा भी जैसे- आप रंच मात्र खिसक जाएँ।

रंज पु. (फा.) 1. दुःख 2. शोक 3. दर्द, तकलीफ 4. पछतावा, अफसोस जैसे- तुम्हारी प्रतिकूल बातों से उसे बहुत रंज है।

रंजक वि. (तत्.) 1. रंगने का काम करने वाला, मनोरंजक पुं. 1. रंगरेज 2. ईगुर 3. मेंहदी 4. पित्तवर्ती एक अग्नि (सुश्रुत) 5. कपड़े रंगने का कार्य करने वाला स्त्री. (फा.) 1. वह थोड़ी सी बारूद जो बत्ती लगाने के लिए बंदूक की प्याली पर रखी जाती है 2. गाँजा 3. उत्तेजक बात 4. चटपटा चूर्ण रसा. वस्त्रों आदि के रंगने में काम आने वाला वह पदार्थ जिसे उसके विलयन में से रेशमी, सूती आदि वस्त्रों के रेशे अवशेषित कर लेते हैं।

रंजकतामापी पुं. (तत्.) रंग के प्रभाव को मापने वाला यंत्र विशेष।

रंजकारागी पुं. (तत्.) 1. वह वस्तु या चीज जिस पर रंग न चढ़सकता हो या अन्य रंग का प्रभाव न पड़ता हो 2. पीयूष ग्रंथि की एक कोशिका विशेष।

रंजन पुं. (तत्.) 1. रंगने का काम 2. रंगना 3. मन को प्रसन्न करने का भाव या क्रिया 4. रंग बनाने के साधनभूत पदार्थ-शेफालिका, हल्दी, नील, कुसुम, मजीठ आदि 5. मूँज 6. सोना 7. जायफल 8. लाल चंदन।

रंजित वि. (तत्.) 1. जो किसी रंग से रंगा गया हो 2. किसी प्रेम में अनुरक्त 3. हर्षित।

रंजिश स्त्री. (फा.) 1. किसी के प्रतिकूल आचरण से होने वाली नाराजगी 2. मनोमालिन्य 3. वैमनस्य।

रंजीदगी स्त्री. (फा.) 1. दुःखी होने की अवस्था या भाव 2. शोक 3. रंज 4. नाराजगी।

रंजीदा वि. (फा.) 1. जो किसी से किसी कारणवश नाराज हो 2. दुःखी 3. गमगीन।

रंडा स्त्री. (तत्.) 1. वह स्त्री जिसका पति मर गया हो 2. विधवा, राँड।

रंडी स्त्री. (तद्.) 1. वह स्त्री जो नाचने-गाने का व्यवसाय करती हो तथा धन लेकर संभोग कराने वाली 2. वेश्या।

रंता वि. (तत्.) 1. रमण या आनंद करने वाला 2. अनुरक्त, रसिक।

रंतोधी स्त्री. (तद्.) ऐसा रोग जिसमें रात में कुछ नहीं दीखता, अंधापन का रोग।

रंदा पुं. (फा.) बढ़ई का एक उपकरण जिससे लकड़ी को छीलकर चिकना और समतल बनाया जाता है।

रंधन पुं. (तत्.) 1. पकाने की क्रिया, रसोई बनाना 2. नष्ट करना।